श्वेतार्कगणपति पूजन

ओं नमो गणपते श्वेतार्कगणपतये श्वेतार्कमूलनिवासाय वासुदेवप्रियाय दक्षप्रजापति रक्षकाय सूर्यवरदाय कुमारगुरवे ब्रह्मादिसुरवन्दिताय सर्वभूषणाय शशाङ्कशेखराय सर्पमालालङ्कृतदेहाय धर्मध्वजाय धर्मवाहनाय त्राहि त्राहि देहि देहि अवतरावतर गं गणपतये वक्रतुण्डगणपतये वरवरद सर्वपुरुषवशङ्कर सर्वदुष्टवशङ्कर सर्वदुष्टमृगवशङ्कर सर्वस्ववशङ्कर वशीकुरु वशीकुरु सर्वदोषान् बन्धय बन्धय सर्वव्याधीन् निकृन्तय निकृन्तय सर्वविषाणि सम्हर सम्हर सर्वदारिद्रं मोचय मोचय सर्वविघ्नान् छिन्धि छिन्धि सर्ववज्रान् स्फोटय स्फोटय सर्वशत्रून उच्चाट्योच्चाटय सर्वसमृद्धिं कुरु कुरु सर्वकार्याणि साधय साधय ओं गां गीं गूं गैं गौं गं गणपतये हुं फट् स्वाहा ।

शाश्वत प्रज्ञा

जीवन का हर एक कटु अनुभव गुरु के प्रति आपकी श्रद्धा की कसौटी है ।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परा सुव । यद् भद्रं तन्न आ सुव ।। यजुर्वेद।।

- हे सकल जगत के उत्पत्तिकर्त्ता, समग्र ऐश्वर्ययुक्त शुद्धस्वरूप, सब सुखों के दाता परमेश्वर, आप कृपा करके हमारे सम्पूर्ण दुर्गुण, दुर्व्यसन और दुःखों को दूर कर दीजिये। जो कल्याणकारक गुण, कर्म, स्वभाव और पदार्थ हैं, वह सब हमको प्राप्त कराइये।